सुविचार

जो व्यक्ति अपनी सोच बदल सकता है, वो दुनिया बदलने की ताकत रखता है।

PKL NO.KKR/184/2022-24

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233

समस्त भारत में एक साथ प्रसारित

HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 जुलाई 2022 वर्ष : 5, अंक : 05 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

राष्ट्रपति प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू पर टिप्पणी करने वाले फिल्म निर्देशक वर्मा पर हो सख्त कार्रवाई

भाजपा नेता सूरजभान कटारिया में कुरुक्षेत्र पुलिस को दर्ज कराई शिकायत

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र,भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य सूरजभान कटारिया ने फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा द्वारा द्रौपदी मुर्मू के प्रति की गई आपत्तिजनक ट्वीट के मामले में आज जिला पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र से मुलाकात करके शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र ने शिकायत को जिला उप पुलिस अधीक्षक सुभाष बिश्नोई को प्रेषित कर निर्देशित किया है कि इस मामले में कानूनी सलाह लेकर उचित कार्यवाही अति शीघ्र करें ! शिकायत में कटारिया का कहना है कि फिल्म निर्देशक रामगोपाल वर्मा ने ट्वीट करके अनुसूचित जनजाति की महिला एवं झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू के प्रति गलत टिप्पणी की है जो की पूर्णता एक महिला का अपमान है और अनुसूचित जाति जनजाति एक्ट में यह मामला दर्ज होना चाहिए। सूरजभान कटारिया ने कहा कि देश के महामहिम राष्ट्रपति का चुनाव जुलाई 2022 में निर्धारित है, संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार विश्वभर की सबसे विशाल एवं सशक्त पार्टी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के द्वारा राष्ट्रपति पद हेतु श्रीमती द्रोपदी मुर्मू जी को प्रत्याशी बनाया गया है जिन्होंने 24 जून को अपना नामांकन दाखिल किया है। कटारिया ने इसके पश्चात पत्रकारों से बातचीत स्पष्ट शब्दों में करते हुए कहा है कि राम गोपाल वर्मा की टिप्पणी पूर्णत: अनुसूचित जाति जनजाति की विरोधी है, जिस पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत कार्रवाई होनी चाहिए।

संदीप गर्ग जैसे समाज सेवी लोग राजनीति में आकर कर सकते व्यवस्था परिवर्तन: युद्धवीर सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन, बाबैन के डीग में स्टालवार्ट फाऊंडेशन के चेयरमेन सेवी संदीप गर्ग द्वारा शुरू की गई आधुनिक मशीनों से सुसजित सबकी रसोई जरूरतमंद लोगों को समर्पित कर दी गई। इस रसोई में लाडवा, बाबैन व शाहाबाद के जरूरतमंद लोगों को 5 रूपए में भरपेट खाना उपलब्ध होगा। इस रसोई की शुरूआत संदीप गर्ग के जन्मदिन के मौके पर मंगलवार को किसान यूनियन के महासचिव युद्धवीर सिंह, शाहाबाद के विधायक रामकरण काला, लाडवा नपा की चेयरमेन साक्षी खुराना और सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने की। सहित अन्य किसानों नेताओं ने की। रसोई के उद्घाटन अवसर पर पत्रकारों से बातचीत हुए भारतीय किसान यूनियन के महासचिव युद्धवीर सिंह ने कहा कि संदीप गर्ग जैसे समाज के धनाढ्य व उद्योगपतियों का दस प्रतिशत हिस्सा भी अगर समाज के जरूरतमंद व असहाय लोगों के लिए सोचना शुरू कर दे तो निश्चित तौर पर ऐसे लोगों को सरकार की तरफ देखने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि संदीप गर्ग जैसे समाज सेवी लोग राजनीति में आगे व्यवस्था परिवर्तन कर सकते हैं और शहीदों के देश व समाज निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में बड़े से बड़े अमीर व धनाढ्य लोग होंगे लेकिन हर किसी का सरोकार व सोच जनसेवा से जुड़ी नहीं होती लेकिन सौभाग्यशाली है लाडवा की जनता जहां संदीप गर्ग जैसे मसीहा निस्वार्थ भाव से जनता के दुख को दूर करने में लगे हैं। किसान नेता युद्धवीर सिंह ने कहा कि आज समाज का नैतिक पतन हो रहा है, स्वार्थ का बोलबाला है लेकिन ऐसे परिवेश में धर्म व जाति से ऊपर उठकर संदीप गर्ग का समाज के लिए काम करना किसी मिसाल कम नहीं है। विधायक रामकरण काला ने भी लाडवा, बाबैन व डीग में रसोई शुरू करने के लिए संदीप गर्ग की प्रशंसा की। समाज सेवी संदीप गर्ग ने बताया कि लाडवा, बाबैन व डीग में सबकी रसोई की शुरूआत करने के बाद उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को आत्मनिर्भर करने मिशन शुरू किया है। जिसके तहत गांव-गांव में महिलाओं को लघु उद्योग शुरू करवाएं जाएंगे। जिसका कच्चा माल उनकी तरफ से उपलब्ध करवाया जाएगा और महिलाओं द्वारा तैयार माल को बाजार में बेचने की व्यवस्था भी उनकी तरफ से की जाएगी और महिलाओं को उनका मेहनताना एडवांस में दे दिया जाएगा। संदीप गर्ग ने बताया कि अभी तक वह जरूरतमंद 120 बच्चों को शिक्षा के लिए गोद ले चुके हैं। संदीप गर्ग मंच से घोषणा की कि कोई भी असहाय व जरूरतमंद व्यक्ति आर्थिक मदद के लिए सीधा उनको फोन कर सकते हैं और इस तरह की मदद के लिए किसी तरह के बिचौलिये की आवश्यकता नहीं है। संदीप गर्ग ने कहा कि वह लाडवा की धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं को साधुवाद देते हैं जो शुरू की गई रसोईयों में श्रमदान दे रहे हैं और लंगर प्रसाद जरूरतमंदों में वितरित करने का काम कर रहे हैं। संदीप गर्ग ने घोषणा की कि वह लाडवा विधानसभा क्षेत्र से आजाद उ मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे और अगर जनता ने आर्शीवाद दिया तो जनहित में ऐसे काम करके दिखाएंगे जो अभी तक के लाडवा के इतिहास में नहीं हुए होंगे। संदीप गर्ग ने किसान नेता युद्धवीर सिंह को स्मृति चिन्ह के रूप में हल भेंट किया और आए हुए सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये। मंच का संचालन हरीश मुंजाल ने किया। उल्लेखनीय है कि संदीप गर्ग के जन्मदिन के मौके पर लाडवा विधानसभा में 15 हजार पौधे रोपित किये गये और 5 संस्थाओं द्वारा रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया।

एक वर्षीय मुफ्त सिविल सर्विस एग्जाम 2023 की अंतिम तिथि 15 जुलाई

दीप आईएएस कोचिंग प्रताप विहार गाजियाबाद की ओर से एक वर्षीय मुफ्त सिविल सर्विस एग्जाम -2023 कोचिंग के फार्म शुरू हो चुके है। जिसमे 50 सीट ऑफलाइन व 100 सीट ऑनलाइन है। जिसकी अंतिम तिथि 15 जुलाई है। 17 जुलाई को इंट्रोडक्शन क्लास होगी। अन्य जानकारी व फार्म भरने के लिए वेबसाईट पर जाएं : https://.deep.denpower.org । ईन मोबाईल नम्बरों पर जानकारी प्राप्त करें: 9891548715,8860574025, व्हाट्सएप न. 8368672562

DEEP IAS COACHING

BH-390, IInd Floor, Bahurao Devras Colony, Pratap Vihar, Ghaziabad, U.P.

den.empower@gmail.com https://deep.denpower.org

PRESS RELEASE

16th June 2022

One-year Free Coaching for Civil Services Examination-2023

Deep IAS Coaching provides free of cost one-year intensive Civil Services Examination (CSE) coaching for selected students of marginalized sections (SCs, STs, Minorities, women and economically weaker sections). The classes at the institute are conducted by In-service Civil Servants and renowned faculty.

Mode of Teaching	Candidate to be Selected (2023 Batch)
Classroom Coaching	50 Seat
Online Coaching	100 Seats

The admission process for the selection of 150 students for 2023 batch will be a 2-stage assessment process. The important information/dates for the same is as below

Online Registration (Free): https://deep.denpower.org/new-registration.html

Last date of Registration	**15th July 2022**
Introduction Class	17th July 2022
Commencement of Screening Process	20th July 2022
Final Selection Announcement	**3rd August 2022**

Objectives & other Frequently Asked Questions: https://deep.denpower.org/faq-english.html

Student helpline : 9891548715, 8860574025
WhatsApp Number : 8368672562
Email : den.empower@gmail.com

Director

Deep IAS Coaching

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी ने किया मतांशु रंगा को सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली । स्टालवार्ट फाऊंडेशन के तत्वावधान में लाडवा के शिवाला रामकुंडी में समाजसेवी संदीप गर्ग लाडवा के जन्मदिवस के उपलक्ष में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमे गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने पहुंचकर समाजसेवी संदीप गर्ग को आशीर्वाद दिया। वहीं स्वामी ज्ञानानंद जी ने हलका लाडवा के होनहार बच्चों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। जिसमे बजीदपुर के मतांशु रंगा जो राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता जो मध्यप्रदेश प्रदेश में कांस्य पदक लेकर आये थे। उनको स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

भारत सरकार से पंजीकृत

गजब हरियाणा

लगातार प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

मोबाइल में कैद होता बचपन

आज का समय तकनीकी का समय है और घर-घर में स्मार्ट फोन है तो बच्चे भी उसका प्रयोग करते हैं। हम उम्र निर्धारण नहीं कर सकते क्योंकि आजकल छोटे से छोटा बच्चा भी मोबाइल का प्रयोग करता है। मोबाइल ने बच्चों से शारीरिक क्रियाएं और खेल कूद सब छीन लिया है जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास नहीं हो पा रहा है और बच्चे बीमारियों से ग्रसित होते जा रहे हैं।

आज हम सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के दौर में जी रहे हैं। जहां सोशल मीडिया ने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी समाज की मुख्य धारा से जुड़ने और खुलकर विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर दिया है। ऐसे में सोशल मीडिया की उपयोगिता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। लेकिन अभियक्ति का यही माध्यम अब सामाजिक जीवन को छिन्न-भिन्न कर रहा है। इसमें भी कोई दो राय नहीं है। आज की सच्चाई यह है कि सामाजिक और पारिवारिक खुशियां अब सोशल न होकर साइट्स पर निर्भर हो गई हैं। लोगों की जिंदगी एक मोबाइल में कैद हो गई है। जन्मदिन से लेकर शादी विवाह, मैरिज एनवर्सरी सब इसी पर मनाया जा रहा। ऐसे में नोबेल पुरस्कार विजेता डेसमंड टूटू की लिखी एक बात याद आती है। एक बार उन्होंने लिखा था जब मिशनरी अफ्रीका आए, तो उनके पास बाईबल थी, और हमारे पास जमीन। उन्होंने कहा हम आपके लिए प्रार्थना करने आए हैं और फिर क्या था हमने आखें बंद कर ली। लेकिन जब आंखें खोलीं तो हमारे हाथ में बाइबल थी, और उनके पास हमारी जमीन।

आज कुछ यूं ही हुआ है सोशल मीडिया को लेकर हम लोगों के साथ। शुरुआत में सोशल मीडिया के माध्यम जैसे-फेसबुक, व्हाट्सएप आदि हमें मुफ्त में उपलब्ध कराए गए और हम उसमें इतना मशगूल होते गए कि हमें भान ही नहीं रहा कि कब हमारी खुशियां, हमारा सामाजिक ताना-बाना और हमारी निजता तक हमसे छीन ली गई। आज हम क्या सोचते हैं? वह हमारे अपनों से पहले ये सोशल मीडिया साइट्स का इंटेलिजेंस समझ लेता है। उसी अनुरूप हमें चीजों का सुझाव देता सो अलग। कहने का अर्थ यह हुआ कि हम पूरी तरह से सोशल मीडिया की गिरफ्त में आकर असामाजिक हो गए है। वहीं बात करें तो सोशल मीडिया साइट्स के महत्व को बताने के लिए 30 जून 2010 को दुनियभर में विश्व सोशल मीडिया दिवस की शुरुआत हुई थी। आज एक दशक से ज्यादा समय बीत जाने के बाद इस दिवस का विश्लेषण करने पर देखा जाए तो बच्चे, युवा, हर उम्र के लोग सोशल मीडिया के किसी न किसी साइट्स पर एक्टिव हो गए हैं।

फेसबुक पर हजारों ऑनलाइन फ्रेंड्स हैं। शुरुआत में फेसबुक खूब प्रचलन में रहा, अब व्हाट्सएप पर जिंदगी बीत रही है। यूथ में इंस्टाग्राम का क्रेज है। नतीजतन हजार दोस्त होने के बाद भी लोग अवसादग्रस्त हो रहे हैं। सामाजिक दायित्व का लोप हो गया है, परिवार टूट रहा और सजीव सामाजिक संबंध खत्म होते जा रहे हैं। गरीब-मध्यम वर्ग से लेकर सेलिब्रिटी तक सब सोशल मीडिया से जुड़े हैं। नाते रिश्तेदारी सब मोबाइल पर चल रही। नई पीढ़ी में बच्चा न रोए इसलिए मां बच्चे के हाथ में मोबाइल थमा देती है। मां भी व्हाट्सएप, फेसबुक, यूट्यूब पर बिजी हो गई है। सबका अपना अलग मोबाइल है, सबकी अपनी आभासी दुनिया है। जो सिर्फ मोबाइल तक सीमित है। बात यही नहीं रुकती बड़े-बड़े राजनीतिक, सामाजसेवी, सेलिब्रिटी भी हर दिन सुबह, शाम फोटोजीवी होने का प्रमाण दे रहे हैं। बिना फोटो पोस्ट किए दिन नहीं गुजर रहा। हाथ की उंगलियां मोबाइल से चिपकी हैं। दिनभर पोस्ट, लाइक, शेयर और कमेंट चल रहा है।

ऐसे में कहीं न कहीं सोशल मीडिया की लत अब अपने चरम पर पहुंच गई है, लेकिन दुर्भाग्य है कि हम अभी भी उसको लेकर सचेत नहीं हो पा रहे हैं। ग्लोबल वेब इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एक व्यक्ति औसतन दो घंटे 22 मिनट सोशल मीडिया पर ऑनलाइन रहता है और एक आंकड़े के मुताबिक, वर्तमान में भारत में तकरीबन 350 मिलियन सोशल मीडिया यूजर हैं। इसके अलावा अनुमान है कि 2023 तक यह आंकड़ा लगभग 447 मिलियन तक पहुंच जाएगा। ऐसे में सोशल मीडिया की बढ़ती लत हमारे समाज को एक ऐसी दिशा में ले जा रहा है। जहां से हमारा अतीत बहुत पीछे निकल चुका होगा और हमारा वर्तमान काफी विकृत होगा। सोचिए सामाजिक संजाल में व्यक्ति क्यों रहता है? लेकिन जब यही सोशल मीडिया हमारे सामाजिक ताने-बाने को ही नष्ट कर देगा। फिर मानव जीवन में आखिर क्या शेष रह जाएगा?

ऐसे में वक्त रहते हमें जगने की जरूरत है और हमारे ऊपर सोशल मीडिया का अधिपत्य स्थापित हो जाए। उससे पहले हमें सोशल मीडिया को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। आज हमें कई शोध यह बताते हैं कि यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया का आवश्यकता से अधिक उपयोग करता है तो उसका मस्तिष्क नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है और डिप्रेशन का शिकार तक व्यक्ति हो जाता जाता है। ऐसे में सोशल मीडिया हमारे सामाजिक सम्बन्धों को ही खराब नहीं कर रहा, बल्कि स्वयं के जीवन पर भी असर डाल रहा है। फिर कहने का निहितार्थ यही है कि सोशल मीडिया के नाम मात्र से भ्रम में मत आइए कि हमें सोशल बना रहा है। वास्तविकता तो सिर्फ इतनी है कि आज सारे रिश्ते-नातों को अंगूठा दिखाया जा रहा है। सोशल मीडिया के भीतर सुख-दुःख, क्रोध, अपमान, निराशा का एक वृहद संसार रचा जा रहा है। ऐसे में समय के साथ चलना और बदलाव को स्वीकार करना भले ही बुद्धिमत्ता का परिचायक है, लेकिन इसके विकराल होते भ्रमजाल और मोहपाश में पड़ने से हमारी अपनी संस्कृति-सभ्यता के मानदंड और नैतिक मूल्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

यह समझने की जरूरत है, वरना कहीं ऐसा न हो कि जब हम जागे तो हमारे हाथ में बाईबल की भांति सिर्फ सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने मोबाइल-फोन ही बचें और बाकी पारिवारिक, सामाजिक प्रतिष्ठा एवं नैतिक मूल्यों को हम खो दें! कोरोना काल में ऑनलाइन पढ़ाई से बच्चों ने मोबाइल फोन का खूब उपयोग किया। पढ़ाई के अलावा भी बच्चों की मोबाइल फोन देखने की प्रवृत्ति बढ़ गई। अब जब ऑफलाइन कक्षाएं शुरू हो गई तब भी बच्चों की मोबाइल फोन की लत नहीं छूट रही। इससे अभिभावक परेशान हैं। इन दिनों ज्यादातर घरों में माता-पिता इसका हल खोजने में जुटे हैं कि आखिर बच्चों को मोबाइल से कैसे दूर किया जाए। बच्चे मोबाइल फोन का इस्तेमाल बहुत ज्यादा करते हैं। चिकित्सकों का कहना है कि मोबाइल से निकलने वाली किरणों से कई बच्चों में नए रोग का जन्म हो रहा है।

मोबाइल की लत इतनी बढ़ गई कि यदि किसी बच्चे के हाथ से मोबाइल छीन लिया जाता है तो वह आक्रामक तक हो जाता है। स्मार्टफोन से निकलने वाली नीली रोशनी से न सिर्फ सोने में दिक्कत आती है, बल्कि बार-बार नींद टूटती है। इसके ज्यादा प्रयोग से रेटिना को नुकसान होने का खतरा रहता है। मोबाइल से चिपके रहने से दिनचर्या अनियमित रहती है। इससे टाइप-2 डायबिटीज तक की आशंका बढ़ जाती है। ज्यादा मोबाइल प्रयोग के लिए माता-पिता जिम्मेदार है क्योंकि जब बालक किसी बात के लिए बोलता है तो माता-पिता अपना पीछा छुड़ाने मोबाइल पकड़ा देते हैं। साथ खेलते नहीं है जिससे मां-बाप व बच्चों के बीच आत्मीयता की भावना का विकास नहीं हो पाता।

जरनैल सिंह

अब मिलेंगी 52 की बजाए 58 सीटर बसें, रोहतक के लिए आएंगी 3 नए लुक की नई गाड़ियां, लंबे रूटों पर चलाने की तैयारी

गजब हरियाणा न्यूज

रोहतक । हरियाणा के जिला रोहतक को नए लुक की नई बसें मिलेंगी, जो 52 की बजाए 58 सीटर होंगी। अब तक हरियाणा रोडवेज के बेडे में शामिल होने वाली बसों में केवल 52 सीटें होती थीं, जिन पर यात्री सफर करते थे, लेकिन अब जो बसें होंगी, वे सामान्य बसों से बड़ी होंगी और सीटें भी 6 अधिक होंगी।

सरकार रोडवेज के बेडे में नई बसें शामिल करना चाहती है। इसलिए जिलों को नई बसें दी जा रही हैं, जिसकी प्रक्रिया कई दिनों से जारी है। इसलिए सरकार के आदेश जारी होने के बाद गुरुग्राम में बसें तैयार हो रही हैं। इनमें से रोहतक को कुल 10 नई बसें मिलनी हैं, जिनमें से तीन बसें पहले मिलेंगी।

नई बसों के सप्ताहभर में रोहतक पहुंचने व सड़कों पर दौड़ने की उम्मीद है। प्रशासनिक स्तर पर इन नई बसों को यात्रियों की सुविधा के अनुसार लंबे रूटों पर चलाया जाएगा, ताकि किसी भी यात्री को परेशानी न हो। साथ ही इन बसों का निर्माण यात्रियों की सुविधा को देखते हुए ही किया गया है।

रोहतक में अब 192 बसें

रोहतक डिपो की बात करें तो फिलहाल 192 बसें चल रही हैं। 146 बसें सामान्य स्कीम के तहत व 46 बसें किलोमीटर स्कीम के तहत चलाई जा रही हैं, जबकि रोहतक में 200 बसों की आवश्यकता है। नई बसें मिलने के बाद बसों की कमी पूरी हो जाएगी, जिसका यात्रियों को भी लाभ मिलेगा।

हरियाणा रोडवेज वर्कशॉप रोहतक के मैनेजर नरेंद्र ने बताया कि अभी सप्ताहभर में रोहतक को तीन नई बसें मिलेंगी। अब मिलने वाली बसें आधुनिक सुविधाओं के युक्त हैं, जिन्हें यात्रियों के सुविधाजनक सफर को देखते हुए बनाया गया है। नई बसों को लंबे रूटों पर चलाया जाएगा और यात्रियों को भी सुविधा होगी।

बसवा स्थापना दिवस समारोह 3 जून को नरवाना में

बसवा का प्रथम उद्देश्य शिक्षा: अमित बेलरखां

कुछ करलो न ख्याल सुनी पड़ी स चौपाल ,बणा लो फ्यूचर पुस्तकालय मै

गजब हरियाणा न्यूज/राममेहर

नरवाना, रविवार को बहुजन स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन इंडिया(बसवा) टीम के प्रदेश महासचिव मान्यवर अमित बेलरखां, जिला जींद उपाध्यक्ष संदीप लौन 3 जुलाई को नरवाना में होने वाले बसवा स्थापना दिवस समारोह के लिए गांव - बेलरखा,उझाना,खरल, रसीदें, धमतान साहिब,कालवन,जूलेहडा, कन्हडी,फुलीया कला,फुलीया खुर्द, कान्हा खेड़ा,कम्रगढ, धरौदी व लौन में निमंत्रण दिया। अमित बेलरखां ने पंक्तियों के साथ बताया कि कुछ करलो न ख्याल सुनी पड़ी स चौपाल ,बणा लो फ्यूचर पुस्तकालय मै। उन्होंने कहा कि बसवा का प्रथम उद्देश्य शिक्षा है। अभी तक बसवा टीम ने 37 पुस्तकालय खोलने में सहयोग किया है। इस साल में 50 पुस्तकालय खोलने का लक्ष्य रखा गया है। समाज की सहभागिता से ही संभव है। उन्होंने बताया की दसवीं व बारहवीं में 75 प्रतिशत से ज्यादा नम्बर प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

उपायुक्त ने शहर में गुजरने वाले नालों की सफाई का जायजा लिया

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, बरसात के मौसम के दौरान नगर निगम यमुनानगर-जगाधरी के क्षेत्रो में कहीं भी जल भराव न हो, इसी को लेकर उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने नगर निगम अधिकारियों, जन स्वास्थ्य एवं जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों व अन्य अधिकारियों के साथ नगर निगम कार्यालय जगाधरी के नजदीक झंडा चौंक, संत थॉमस स्कूल जगाधरी सिविल लाईन, एच.डी.एफ.सी. बैंक जगाधरी अम्बाला रोड़, मटका चौंक जगाधरी, कुष्ट आश्रम सैक्टर-17 हुड्डु जगाधरी, मध्यवर्ती पंपिंग सेट केन्द्र जगाधरी, एफ.सी.आई. गोदाम मॉडल टाऊन यमुनानगर, बस अड्डु यमुनानगर तथा विश्वकर्मा चौंक यमुनानगर के नजदीक से गुजरने वाले नालों की सफाई का जायजा लिया और मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कड़े निर्देश दिए कि बरसात के मौसम से पहले शहर के सभी नालों एवं नालियो की सफाई अच्छी तरह से करवाना सुनिश्चित करे ताकि कहीं भी जल भराव न हो।

इस अवसर पर नगर निगम यमुनानगर-जगाधरी के आयुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त आयुष सिन्हा, जगाधरी के एस.डी.एम. सुशील कुमार, तहसीलदार कृष्ण कुमार, जन स्वास्थ्य एवं जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता सुमित गर्ग व पारिख गर्ग, नगर निगम के कार्यकारी अभियंता रवि ओबरॉय सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

संतो व प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने ब्रह्मलीन ब्रह्मज्ञानी संत श्री बचना राम जी को दी श्रद्धांजलि

12 जून 2022 दिन रविवार को संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज जी के बेगमपुरा धाम में प्रस्थान कर गए थे

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, 19 जून 2022 दिन रविवार को सुबह संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास गुरु गद्दी दयाल गढ़ दरबार साहिब हरियाणा में संत जैन दास हितकारी जी के परम पूज्य पिता जी ब्रह्मलीन ब्रह्म ज्ञानी संत श्री बचना राम जी जो की दिनांक 12 जून 2022 दिन रविवार को शाम रात्रि 9 बजे संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज जी के बेगमपुरा धाम में प्रस्थान कर गए थे। उनकी आत्मा की शांति के लिए श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए संगत का जनसैलाब उमड़ा। हजारों की संख्या में संगत एकत्रित हुई। सतगुरु रविदास जी महाराज जी के हुकमनामे में पूज्य माता श्रीमती मंशी देवी जी भी इसी तारीख में दिनाक 12 जून 2018 में अपनी स्वासों रूपी पूंजी परमात्मा के पावन चरणों में समर्पित की थी और पिता जी ने भी इसी तारीख में चोला छोड़ा है।हजूर महाराज स्वामी वीर सिंह हितकारी जी महाराज एक दिन पूर्व अपने परम प्रिय शिष्य श्री मान बचना राम जी की पावन आत्मा की शांति के लिए अरदास प्रार्थना करने पहुंचे। फादर्स डे के दिन रविवार को सुबह सेवादार बलराम एवं राम रतन के द्वारा अमृत वाणी पाठ किया गया। उपरांत रागी जत्था मास्टर सोनू मॉडल टाउन करेड़ा, मास्टर संजू कुमार इस्माइलपुर, चमन दास प्रचारक डेरा दयाल गढ़ के द्वारा अमृत वाणी का प्रचार प्रसार किया गया। इस मौके पर हरियाणा संत मण्डल संत निर्मल दास जी महाराज डेरा कपाल मोचन, महात्मा गुरुपाल दास जी महाराज लाडवा दरबार साहिब, संत मेघ दास जी महाराज गढ़ी गोसाई, संत गणेश दास जी महाराज बल्ले वाला ने श्री मान बचनाराम जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर व अपने विचारों द्वारा श्रद्धांजलि दी।

वीरेंद्र गुप्ता यमुना नगर ने अपने विचारो में कहा कि श्री मान बचना राम जी का सपना था की गांव दयाल गढ़ में गुरु रविदास गद्दी बने, और वो कार्य धीरे धीरे प्रगति की ओर बढ़ रहा है। संजीव कुमार यमुना नगर, चौधरी धनी राम रेवाड़ी, मंगत राम पिंजौर, रामकुमार एचएमटी,सोम प्रकाश नंबरदार जगाधरी, चौधरी फूल चंद रत्तू वाला एवं सामाजिक धार्मिक संगठन राजनैतिक प्रतिनिधियों ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। डेरा दयाल गढ़ दरबार साहिब हरियाणा के संत जैन दास हितकारी के मुखारबिंद के द्वारा आरती शब्द उच्चारण किया गया। इसके उपरांत अरदास प्रार्थना व मौन किया गया। संगत के लिए अटूट लंगर प्रशाद बरताया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एससी-एसटी के विकास का दृष्टिकोण है : कटारिया

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य सूरजभान कटारिया ने कहा है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास का दृष्टिकोण है और सरकार का जो मुख्य उद्देश्य है वह सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास वह स्पष्ट नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित श्री रामनाथ कोविंद का 5 वर्ष का कार्यकाल अगले माह सफलतापूर्वक पूर्ण हो रहा है और इसके साथ ही नए राष्ट्रपति के लिए अनुसूचित जनजाति की महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का चयन किया जाना हम सब के लिए गौरव की बात है। सूरजभान कटारिया ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की भावी राष्ट्रपति प्रत्याशी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को फोन कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं साथ ही उन्हें राष्ट्रपति के रूप में कुरुक्षेत्र आने का निमंत्रण भी दिया है। उल्लेखनीय है कि सूरजभान कटारिया भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह के कार्यकाल में अनुसूचित जाति मोर्चा के 2012-2014 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे हैं वहीं उसी कार्यकाल में श्रीमती द्रौपदी मुर्मू अनुसूचित जनजाति मोर्चा की राष्ट्रीय सदस्य रही है और उसके पश्चात झारखंड प्रदेश की राज्यपाल नियुक्त हुई थी। उस समय भी कटारिया उन्हें शुभकामनाएं देने राजभवन रांची झारखंड गए थे। कटारिया का पार्टी संगठन के समय एक साथ एससी-एसटी मोर्चे में काम करते समय से ही श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के साथ अच्छे संबंध हैं। उल्लेखनीय है कि मौजूदा राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के साथ भी कटारिया के वर्ष 1999 से सामाजिक, राजनीतिक एवं परिवारिक संबंध है। वर्ष 2005 मे रामनाथ कोविंद भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जब राष्ट्रीय अध्यक्ष थे तब कटारिया उनके साथ मोर्चा में राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में कार्य कर चुके हैं। राष्ट्रपति बनने से पूर्व श्री रामनाथ कोविंद सूरजभान कटारिया के कई कार्यक्रमों में यहां कुरुक्षेत्र एवं शाहबाद मारकंडा भी आए हैं और राष्ट्रपति बनने के बाद उनके दिल्ली में कार्यक्रमों में शामिल हुए हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की राष्ट्रपति प्रत्याशी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की घोषणा कल भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली में की है। कुरुक्षेत्र स्थित कटारिया के निवास पर कटारिया समर्थकों अनेक अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के लोगों, कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने सूरजभान कटारिया को मिठाईयां खिलाकर खुशियां जाहिर की है।

पहले यह जानो कि दुनिया में आपका जन्म क्यों हुआ : स्वामी ज्ञाननाथ

कहा : किस उद्देश्य के लिए आप संसार में आए हो। संसार में अपने प्रति और दूसरों के प्रति आपका क्या कर्तव्य है और कैसा दृष्टिकोण है। वास्तव में आपका अपना असली परिचय क्या है।

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला, निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी प्रवचनों में कहा कि समय के ब्रह्मवेत्ता सतगुरू की पावन चरण-शरण मे रहकर उनके आदेश-उपदेश की बाखूबी पालना करते हुए सबसे पहले यह जानो कि दुनिया में आपका जन्म क्यों हुआ है। किस उद्देश्य के लिए आप संसार में आए हो। संसार में अपने प्रति और दूसरों के प्रति आपका क्या कर्तव्य है और कैसा दृष्टिकोण है। वास्तव में आपका अपना असली परिचय क्या है। आप वास्तव में क्या हो और क्या नही हो। तुम्हारा असली स्वरूप क्या है। मनुष्य जीवन का सबसे पहला और अंतिम लक्ष्य क्या है। वास्तव में तुम कौन हो, कहां से आए हो, कहां जाना है, किस लिए जाना है, और कैसे जाना है। संसार में जन्म लेने के बाद आपको क्या करना है और क्या नही करना। यह संसार क्या है इसमें कैसे रहना है। आप किस राह पर चल रहे हो पदार्थवाद-स्वार्थवाद या फिर अध्यात्मवाद। आप की प्रवृति सांसारिक जड़, नाश्वान और अनित्य वस्तुओं को संग्रह करने की ही है या फिर

विरक्ति भाव की है। समाज में कैसा आचार-व्यवहार और कैसी नीति और रीति को अपनाना है। यह हमेशा साधक को दिलोदिमाग में याद रखना होगा कि जैसा हम प्रकृति को देते है, जैसा करते है वैसा ही प्रकृति वापिस दे देती है कभी भी किसी के साथ अन्याय नही करती। मन तुम्हारा मित्र भी है और शत्रु भी है जैसा आप समझते हो वैसा ही है। यह सच कहा है कि जैसा ख्याल वैसा हाल, जैसा विचार वैसा संसार, जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। जैसा अंत: करण में विचार आता है वैसा ही संसार और संसार के रिश्ते-नाते और भौतिक वस्तुएं दिखती हैं। इसलिए आलस्य और प्रमाद को छोड़ो, मोह-निद्रा को त्यागो, अपनी सहायता आप करो। सदैव अपनी आत्मशक्ति का सहारा लो। जो जागृत है, अपने आप में ठहरा हुआ और स्थिप्रज्ञ हो, समय के आत्मवेता सतगुरू के आदेश-उपदेश और संदेश की पालना करता हो, सतगुरू के वचनों को सत-सत करके मानता हो, संधर्षशील और कर्मशील है, देवी-देवता भी उसी को वरदान देते है। आलस्य में सोते रहना, खाली कल्पनाओं के सहारे बैठे रहना कि कोई देवता आएगा, कोई अवतार आएगा फिर मुझे वरदान मिलेगा ऐसी कोरी कपोल कल्पनाओं के सहारे ना बैठे रहो। मनुष्य द्वारा बनाई गई काल्पनिक आकार-प्रकार की जड आकृतियों के ध्यान की बजाए अपने निजस्वरूप चेतन आत्मतत्व का ध्यान करो। अपने निजस्वरूप आत्मा के बल के सिवाय तुम्हारी सहायता कोई भी शि1त नही कर सकती। सतगुरू की कृपा से जीवन की उलझने, समस्याओं का समाधान स्वत=ही हो जाएगा। सुख-शांति और अक्षय आनंद कहीं बाहर किसी भी कीमत पर नही मिल सकता बल्कि यह तो आपका निजस्वरूप और निज स्वभाव है।

महिला सशक्तिकरण के लिए प्रो. सुमेधा धनी को किया सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज

रोहतक, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की प्रोफेसर सुमेधा धनी को शहर की प्रतिष्ठित 111 महिलाओं में स्थान हासिल कर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम एलपीएस बोसार्ड व एक प्रतिष्ठि अखबार के सहयोग से आयोजित हुआ। ज्ञातव्य रहे कि इससे पहले भी प्रो. सुमेधा धनी को पिछले 30 वर्षों से लगातार राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अवार्ड मिलते रहे हैं। प्रो. सुमेधा धनी वर्षों से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, महिला सशक्तिकरण व कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अपनी विभिन्न प्रदर्शनियों के द्वारा देश भर में जागरूकता अभियान चलाये हुए हैं। हरियाणा ह्यूमन राईट्स कमीशन के प्रमुख द्वारा चार जिलों के कार्यक्रम में भी प्रो. सुमेधा धनी ने टैगोर ऑडिटोरियम के प्रदर्शनी कक्ष में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय पर अपने कई पेपर प्रस्तुत किये हैं। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मीडिया एंड कम्यूनिकशन रिसर्च (आईएएमआरसी) द्वारा इस्तांबुल (तुर्की) में आयोजित कांफ्रेंस में उन्होंने रिकार्ड

4 पेपर प्रस्तुत किये थे। इस कांफ्रेंस में 215 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था। प्रो. सुमेधा टेलीविजन व रेडियो पर कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर महिला सशक्तिकरण विषय पर अपने विचार रख चुकी हैं।

कौन हैं सिमरनजीत सिंह मान, जिन्होंने ढहा दिया पंजाब में 'आप' का किला, अकालियों से क्या कनेक्शन

हाल ही में विधानसभा चुनाव में फतह हासिल करके आई आम आदमी पार्टी के किले को ढहाते हुए सिमरजीत सिंह ने बड़ी जीत हासिल की है। इस जीत के साथ ही यह बात भी आ रही है कि आखिर कौन हैं सिमरजीत सिंह मान ?

पंजाब की संगरूर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी को जोर का झटका लगा है। यहां पर शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) सिमरजीत सिंह मान ने आप के उम्मीदवार गुरमैल सिंह को 5822 वोटों के अंतर से हरा दिया। हाल ही में विधानसभा चुनाव में फतह हासिल करके आई आम आदमी पार्टी के किले को ढहाते हुए सिमरजीत सिंह ने बड़ी जीत हासिल की है। इस जीत के साथ ही लोगों के मन में यह बात भी आ रही है कि आखिर कौन हैं सिमरजीत सिंह मान ? आइए जानते हैं उनके बारे में सबकुछ...

कैप्टन अमरिंदर से दिलचस्प कनेक्शन

77 साल के सिमरजीत सिंह शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष हैं। उनका जन्म 1945 में शिमला में हुआ था। उनका फैमिली बैकग्राउंड मिलिट्री-पॉलिटिकल वाला रहा है। उनके पिता लेफ्टिनेंट कर्नल जोगिंदर सिंह मान 1967 में पंजाब विधानसभा के स्पीकर रह चुके हैं। वह तीन बार के सांसद रह चुके हैं। एक बार 1989 में तरण तारण और एक बार 1999 में संगरूर से जीत चुके हैं। यह बतौर सांसद उनका तीसरा कार्यकाल होगा। बताया जाता है कि मान को 30 बार पुलिस हिरासत में लिया जा चुका है। हालांकि कभी भी उन्हें सजा नहीं हुई। मान की शादी गीतिंदर कौर मान से हुई है। दिलचस्प बात यह है कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी प्रनीत कौर और मान की पत्नी बहनें हैं।

विवादों से भरे फैसले

सिमरजीत सिंह मान पुलिस में भी नौकरी कर चुके हैं। उन्होंने साल 1967 में भारतीय पुलिस ज्वॉइन की थी। वहीं 18 जून 1984 को उन्होंने सीआईएसएफ बॉम्बे में ग्रुप कमांडेंट के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने यह कदम ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में उठाया था। इसके बाद उन्हें कुछ वक्त के लिए हिरासत में ले लिया गया था। 1989 में वह लोकसभा चुनाव जीते थे, लेकिन 1990 में उन्हें लोकसभा के अंदर जाने से रोक दिया गया था। असल में संसद सत्र के दौरान मान अपने साथ कृपाण ले जाना चाहते थे। बाद में इसके विरोध में उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। बाद में जब वह 1999 में फिर से सांसद बने तो उन्होंने कृपाण अंदर ले जाने की जिद नहीं की।

खालिस्तान से जुड़े विवाद

सिमरजीत सिंह मान को खालिस्तान समर्थक माना जाता है। उनका ट्विटर डिस्क्रिप्शन भी खालिस्तान की मांग का समर्थन करता है। जून 2005 में मान ने खालिस्तानी विचारक जगजीत सिंह चौहान और पांच अन्य के साथ मिलकर खालिस्तान समर्थक नारे लगाए थे। वहीं ऑपरेशन ब्लू स्टार की 21वीं बरसी पर उन्होंने अकाल तख्त पर भड़काऊ भाषण भी दिया था। उन्हें हिरासत में लिया गया था, लेकिन बाद में बेल पर रिहा कर दिया गया। मान खुद भी यह बात स्वीकार कर चुके हैं कि उन्होंने खालिस्तानी अलगाववादी जरनैल सिंह भिंडरावाले और उसके आदमियों की हथियार बांटने में मदद की थी। यह दौर 1980 था और तब वह फरीदकोट में एसएसपी के पद पर तैनात थे। छह जून 2022 को भी उनके समर्थकों ने प्रो-खालिस्तानी नारे लगाए थे। वहीं छह जून 2019 को मान ने भिंडरावाले को श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

राष्ट्रपति चुनाव : NDA उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने किया नामांकन, कौन बने प्रस्तावक

राष्ट्रपति पद के चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की उम्मीदवार झारखंड की पूर्व राज्यपाल और आदिवासी नेता द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के लिए पीएम मोदी ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समर्थन किया। प्रस्तावकों के दूसरे समूह में बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री रहे, तीसरे प्रस्तावक हिमाचल और हरियाणा के विधायक और सांसद थे और चौथे सेट में गुजरात के विधायक और सांसद थे।

पीएम मोदी समेत ये बने प्रस्तावक

वहीं राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के नामांकन के समय पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह नामांकन दाखिल करने के दौरान संसद में मौजूद थे।

राज्यों के मुख्यमंत्री में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा सहित सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद थे। जबकि NDA के साथी, युवजन श्रमिका रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के नेता वी विजयसाई रेड्डी और बीजू जनता दल (BJD) के तुकुनी साहू, बीजेडी सांसद डॉ सस्मित पात्रा और जगन्नाथ सारका भी मौजूद रहे।

विपक्षी उम्मीदवार यशवंत सिन्हा से होगा सामना

18 जुलाई को राष्ट्रपति पद के चुनाव में द्रौपदी मुर्मू का सामना विपक्षी उम्मीदवार यशवंत सिन्हा से होगा। निर्वाचित होने पर वह भारत की पहली आदिवासी राष्ट्रपति और देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति होंगी। द्रौपदी मुर्मू ओडिशा से किसी प्रमुख राजनीतिक दल या गठबंधन की पहली राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं।

देश के शीर्ष संवैधानिक पद के लिए अपना नामांकन दाखिल करने वाली पहली महिला आदिवासी नेता द्रौपदी मुर्मू, ओडिशा की एक अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं, जो शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक पृष्ठभूमि के साथ दर्शाती हैं कि वह देश के आदिवासी वर्गों का उत्थान करेंगी। द्रौपदी मुर्मू, जिन्हें NDA के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार घोषित किया गया है, झारखंड के पूर्व राज्यपाल और ओडिशा के पूर्व मंत्री हैं।

झारखंड की पहली महिला राज्यपाल

द्रौपदी मुर्मू झारखंड की पहली महिला राज्यपाल थीं। उन्होंने 2015 से 2021 तक झारखंड की राज्यपाल के रूप में कार्य किया। ओडिशा के पिछड़े जिले मयूरभंज के एक गांव में एक गरीब आदिवासी परिवार में जन्मी द्रौपदी मुर्मू ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद अपनी पढ़ाई पूरी की। उन्होंने श्री अरबिंदो इंटीग्रल एजुकेशन सेंटर, रायरंगपुर में शिक्षक के रूप में पढ़ाने का भी कार्य रहा।

द्रौपदी मुर्मू का राजनीतिक सफर

उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत रायरंगपुर एनएसी के उपाध्यक्ष के रूप में की थी। द्रौपदी मुर्मू 2000 और 2004 के बीच रायरंगपुर से ओडिशा विधानसभा की सदस्य थीं। एक मंत्री के रूप में, उन्होंने परिवहन और वाणिज्य, पशुपालन और मत्स्य पालन विभागों का कार्यभार संभाला। उन्होंने 2004 से 2009 तक ओडिशा विधानसभा में फिर से विधायक के रूप में कार्य किया। 2007 में, ओडिशा विधानसभा ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ विधायक के लिए 'नीलकंठ पुरस्कार' से सम्मानित किया।

इससे पहले उन्होंने 1979 और 1983 के बीच सिंचाई और बिजली विभाग में एक कनिष्ठ सहायक के रूप में कार्य किया। उन्होंने बीजेपी में कई संगठनात्मक पदों पर कार्य किया है और 1997 में राज्य एसटी मोर्चा की उपाध्यक्ष थीं।

द्रौपदी मुर्मू 2013 से 2015 तक बीजेपी के एसटी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य थीं और उन्होंने 2010 और 2013 में मयूरभंज (पश्चिम) के बीजेपी जिला प्रमुख के रूप में कार्य किया। 2006 और 2009 के बीच, वह ओडिशा में भाजपा के एसटी मोर्चा की प्रमुख थीं। वह 2002 से 2009 तक भाजपा एसटी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य रहीं।

बहुजनों-दलितों के सिरमोर थे पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी चांदराम (23 जून विशेष)

बाबू जगजीवन राम के बाद बहुजनों के सिरमोर रहे व अपने जमाने के किंग मेकर कहलाये गये पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी चांदराम जिनका कि 91वर्ष की आयु मे हृदयगति रूक जाने के कारण 15 जून 2015 को निधन हो गया था। चौधरी चांदराम का जन्म झज्झर जिले के गांव खरहर मे एक गरीब बहुजन समाज मे मांगे राम के यहां 23 जून 1923 मे हुआ। उस समय छुआ-छात से भरे जमाने मे एक बहुजन-दलित के बच्चे का स्कूल मे जाना और शिक्षा प्राप्त करना बहुत ही कठिन कार्य था। मगर उन्हे उनके ही गांव के एक पंडित मनफूल सिंह नामक बाहमण स्कूल टीचर का बड़ा ही सहयोग व स्नेह प्राप्त हुआ वे रोजाना इनको घर से स्वंय ही ले जाते और कक्षा मे सबसे आगे बिठाते ही नही बल्के उन्हे क्लाश का मॉनिटर तक बना दिया था। उनकी बदौलत ही वे प्राईमरी शिक्षा प्रथम श्रेणी मे पास कर सके। रहबरे आजम सर छोटू राम की छत्र-छाया मे उन्होने जाट स्कूल रोहतक से मैट्रिक पास की जबकि बीए राजकीय महा विधालय रोहतक से उतीर्ण की एमए अर्थशास्त्र लाहौर से व एमए राजनैतिक शास्त्र तथा दिल्ली से ही एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की। बताया जाता है कि उस जमाने मे डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के बाद इतनी उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले वे दूसरे बहुजन समाज के व्यक्ति थे। इसी लिए उन द्वारा बिना कोई आवेदन दिये उन्हे तात्कालीन पंजाब सरकार ने वर्ष 1950 मे नगर पालिका रोहतक का कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया था। इस पद पर उन्होने दो वर्ष तक कार्य किया। वर्ष 1952 मे स्वतंत्र भारत वर्ष के पहले हुए विधान सभा चुनावों मे झज्झर क्षेत्र से भारी वोटों से जीतकर वे पंजाब विधानसभा पंहुचे। अगामी चुनावों मे साहलावास से विधायक चुन सरदार प्रताप सिंह कैरो मंत्रिमंडल मे मंत्री बने। उसके बाद पंजाब विधान परिषद के सदस्य तथा पंजाब विधान परिषद के उप सभापति भी रहे। संयुक्त पंजाब मे ही कामरेड रामकिशन की सरकार मे राजस्व मंत्री रहे। उन्होने वर्ष 1965 मे संयुक्त पंजाब मे मंत्री होते हुए अकेले ने सरकार के विरूद जाकर भाषा के आधार पर अलग हरियाणा बनाने के लिए दस्तक किये थे।

चौधरी चांदराम बाबैन रादौर जिला कुरूक्षेत्र से लगातार तीन बार विधायक निर्वाचित हुए। एक नवम्बर 1966 को हरियाणा अलग प्रान्त बनने पर बनी पहली भगवत दयाल शर्मा की सरकार मे उपमुख्यमंत्री तथा वर्ष 1967 मे जब राव वीरेन्द सिंह मुख्यमंत्री बने तो उनकी सरकार मे भी उपमुख्यमंत्री रहे। वर्ष 1972-73 मे बहुजनों-दलितों को जमीन दिलवाने के लिए देश की राजधानी दिल्ली मे अन्दोलन चलाया सत्याग्रह किया व हजारों बहुजन-दलित नर-नारियों के साथ जेलें भरी जेलों मे ही ना जाने कितने बच्चों का जन्म हुआ जिनके नाम जेलसिंह व जेलवंती रखा गया। उस समय चौधरी चांदराम ने ऐलान किया था कि या तो वे दिल्ली से बहुजन-दलितों से छीनी हुई जमीने वापस लेकर जायेगे या उनकी लाश ही

हरियाणा मे वापस जायेगी। आखिर उनके आगे सरकार को झुकना पड़ा बहुजन-दलितों को वापस जमीने मिली। उनके नाम पर अनेको दलितो के गांवों आबाद हुए चांदराम नगर, चांदराम की ढाणी आज के दिन फारूक नगर के पास आबाद है। आपात काल मे 19 महीनो की जेल काटी और वर्ष 1977 मे प्रदेश जनता पार्टी के अध्यक्ष बने जबकि चौधरी देवीलाल उप-प्रधान व डाक्टर मंगलसैन महामंत्री बने थे। चौधरी चांदराम 1977 मे ही सिरसा संसदीय सीट से भारी बहुमत से जीते और मौरार जी देसाई के वें केंद्रीय मंत्री मंडल मे जहाजरानी व परिवहन मंत्री बने। उस समय तत्कालीन उप प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह उन्हें हरियाणा के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाने के लिए दवाब बना रहे थे, तो उन्होने यह पद यह कह कर लेने से इंकार कर दिया था कि पंजाब हरियाणा के बीच कई अहम मामले लटके हुए है। पंजाब मे देवी लाल के पगड़ी बदल भाई प्रकाश सिंह बादल मुख्यमंत्री बनने जा रहे यदि हरियाणा मे देवी लाल को मुख्यमंत्री बना दिया जाये तो नहरी पानी जैसे सभी मसलों का समाधान ये दोनो पगड़ी बदल भाई मिल बैठ कर निपटा लेगे। उन्होने वर्षो तक इंतजार कर आखिर देवीलाल को मुख्यमंत्री के पद से हटा कर एक बार फिर स्वंयम मुख्यमंत्री ना बन उस जमाने मे अकालियों के ही करीबी माने जाने वाले इकलौते बिशनोई विधायक भजनलाल को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया था। क्योंकि उस समय चौधरी चांदराम के सर्मथक विधायकों की संख्या बहुत अधिक थी।

उन्होने वर्ष 1980 मे रोहतक की जनरल सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ा लेकिन वे चुनाव हार गये तो उन्हे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राज्य सभा का सदस्य ही नही बनवाया बल्कि अपने पुत्र राजीव गांधी के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का राष्ट्रीय महासचिव बनाया। इंदिरा गांधी की मौत के बाद वे काग्रेस छोड़ देवी लाल की पार्टी मे शामिल हो गये और हरदोई उतर प्रदेश से चुनाव जीतकर लोक सभा पंहुचे।

क्या सिर्फ तुम्हें ही दर्द है ?

ये एक सरल चित्र है, लेकिन बहुत ही गहरे अर्थ के साथ।

आदमी को पता नहीं है कि नीचे सांप है और महिला को नहीं पता है कि आदमी भी किसी पत्थर से दबा हुआ है।

महिला सोचती है : 'मैं गिरने वाली हूं और मैं नहीं चढ़ सकती क्योंकि साँप मुझे काट रहा है। आदमी अधिक ताक़त का उपयोग करके मुझे ऊपर क्यों नहीं खींचता!

आदमी सोचता है : मैं बहुत दर्द में हूं फिर भी मैं आपको उतना ही खींच रहा हूँ जितना मैं कर सकता हूँ!

आप खुद कोशिश क्यों नहीं करती और कठिन चढ़ाई को पार कर लेती।

आदमी को ये नहीं पता है कि औरत को सांप काट रहा है।

नैतिकता : आप उस दबाव को देख नहीं सकते जो सामने वाला झेल रहा है, और ठीक उसी तरह सामने वाला भी उस दर्द को नहीं देख सकता जिसमें आप हैं।

यह जीवन है, भले ही यह काम, परिवार, भावनाओं, दोस्तों, के साथ हो, आपको एक-दूसरे को समझने की कोशिश करनी चाहिए, अलग अलग सोचना, एक-

दूसरे के बारे में सोचना और बेहतर तालमेल बिठाना चाहिए।

हर कोई अपने जीवन में अपनी लड़ाई लड़ रहा है और सबके अपने अपने दुख हैं। इसीलिए कम से कम जब हम अपनों से मिलते हैं तब एक दूसरे पर

आरोप प्रत्यारोप करने के बजाय एक दूसरे को प्यार, स्नेह और साथ रहने की खुशी का एहसास दें, जीवन की इस यात्रा को लड़ने की बजाय प्यार और भरोसे पर आसानी से पार किया जा सकता है।

अमृतवाणी

सतगुर कबीर साहेब जिओ की

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय,
माली सींचे सौ घडा, ऋतू आए फल होए।

जय गुरुदेव

व्याख्या : कबीर दास जी कहते हैं कि हमेशा धैर्य से काम लेना चाहिए। अगर माली एक दिन में सौ घड़े भी सींच लेगा तो भी फल ऋतू आने पर ही लगेगा।

धन गुरुदेव

सामान्य ज्ञान

हरियाणा से सम्बंधित महत्वपूर्ण प्रश्न- उत्तर

1. हरियाणा के लौहपुरुष के नाम से किसे जाना जाता है ?
उत्तर: चौ.बंसीलाल
2. आधुनिक हरियाणा का निर्माता किसे कहा जात है ?
उत्तर : चौधरी बंसी लाल
3. हरियाणा हरिकेन के नाम से किसे जाना जाता है ?
उत्तर : कपिल देव
4. हरियाणा राज्य का सर्वोच्च खेल पुरस्कार कौन सा है ?
उत्तर : भीम पुरस्कार
5. हरियाणा साहित्य अकादमी का गठन कब किया गया था ?
उत्तर : 9 जुलाई 1970
6. हरियाणा में राज्यपाल के रूप में सर्वाधिक कार्यकाल किस का रहा है ?
उत्तर : बी एन चक्रवर्ती
7. हरियाणा के किस जिले में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्थित है ?
उत्तर : रोहतक में
8. हरियाणा के किस स्थान को छोटी कांशी कहा जाता है ?
उत्तर : भिवानी
9. हरियाणा के किस जिले में नवग्रह कुंड स्थित है ?
उत्तर : कैथल
10. हरियाणा में प्रथम राष्ट्रपति शासन किस वर्ष लगा था ?
उत्तर : सन् 1970 में
11. हरियाणा में दूसरी बार राष्ट्रपति शासन कब लागू हुआ था ?
उत्तर : 1 मई 1977
12. हरियाणा में शराबबंदी अध्यादेश कब पारित किया गया था ?
उत्तर : 1 जुलाई 1996 को
13. हरियाणा में शराबबंदी अध्यादेश को कब समाप्त किया गया ?
उत्तर : 1 अप्रैल 1998 को
14. ग्रेंड ओल्ड मैन ऑफ़ पंजाब के नाम से किसे जाना जाता है ?
उत्तर : लाला मुरलीधर
15. हरियाणा विकास पार्टी के संस्थापक कौन है ?
उत्तर : चौधरी बंसी लाल
16. पंजाब से अलग होकर हरियाणा भारत का ..... राज्य बना था ?
उत्तर : 17 वां
17. हरियाणा केसरी के नाम से कौन प्रसिद्ध है ?
उत्तर : पंडित नेकीराम शर्मा
18. हरियाणा की पहली क्षेत्रीय पार्टी का करता नाम है ?
उत्तर : विशाल हरियाणा पार्टी
19. वर्ष 2000 में राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली पहली हरयाणवी फिल्म कौन सी है ?
उत्तर : लाडो
20. किसे हरियाणा का जान मिल्टन कहा जाता है ?
उत्तर : दयाचंद मायना

क्या गरीब आदमी प्रेमी ?

मेरे देखे मनोविज्ञान यही है कि धनी आदमी में प्रेम नहीं होता। असल में धन को कमाने में उसको अपने प्रेम को बिलकुल नष्ट कर देना होता है।

प्रेमी धन कमा नहीं सकता। कमा भी ले, तो बचा नहीं सकता। एक तो कमाना मुश्किल होगा प्रेमी को, क्योंकि उसे हजार करुणाएं आएंगी। वह किसी की छाती में छुरा नहीं भोंक सकेगा। और किसी की जेब भी नहीं काट सकेगा। किसी से ज्यादा भी नहीं ले सकेगा। डांडी भी नहीं मार सकेगा। धोखा भी नहीं कर सकेगा। जालसाजी भी नहीं कर सकेगा। जिसके हृदय में प्रेम है, वह ज्यादा से ज्यादा अपनी रोटी—रोजी कमा ले, बस, बहुत। उतना भी हो जाए तो बहुत!

धन इकट्ठा करने के लिए तो हिंसा होनी चाहिए। धन इकट्ठा करने के लिए तो कठोरता होनी चाहिए। धन इकट्ठा करने के लिए तो छाती में हृदय नहीं, पत्थर होना चाहिए, तभी धन इकट्ठा होता है।

तो धन प्रेम की हत्या पर इकट्ठा होता है। और जिसके प्रेम की हत्या हो जाती है, वह बांझ हो जाता है। वह सब अर्थों में बांझ हो जाता है। उसके जीवन में फूल लगते ही नहीं। संतति तो फूल है। जैसे वृक्ष में फूल लगते, फल लगते। लेकिन अगर वृक्ष में रसधार बहनी बंद हो जाए, तो फिर फूल भी नहीं लगेंगे, फल भी नहीं लगेंगे। संतति तो फल और फूल हैं तुम्हारे जीवन में। तुम्हारे प्रेम की धारा बहती रहे, तो ही लग सकते हैं।

इसके पीछे बड़ा मनोवैज्ञानिक कारण है। जितना ज्यादा धनी, उतना ही प्रेम में दीन हो जाता है। अक्सर तुम गरीबों को प्रेम से भर हुआ पाओगे, अमीरों को प्रेम से रिक्त पाओगे। यह आकस्मिक नहीं है। बात उलटी है।

तुम सोचते हो गरीब आदमी प्रेमी है। असल बात यह है कि प्रेमी आदमी गरीब रह जाता है। बात उलटी है। तुम सोचते हो अमीरों में प्रेम क्यों नहीं? तुम समझे ही नहीं। प्रेम ही होता, तो वे अमीर कैसे होते! अमीर होना कठिन हो जाता। प्रेम को तो मारकर चलना पडा। प्रेम को तो काट देना पड़ा। प्रेम को तो गड़ा देना पडा जमीन में। जिस दिन उन्होंने अमीर होना चाहा, जिस दिन अमीर होने की आकांक्षा जगी, उसी दिन प्रेम की हत्या हो गयी। प्रेम की लाश पर ही अमीरी के महल खड़े हो सकते हैं, नहीं तो नहीं खड़े हो सकते। प्रेम से कीमत चुकानी पड़ती है।

और प्रेम तुम्हारी आत्मा की सुगंध है। आत्मा की सुगंध खो जाती है और तुम्हारी देह धन से घिर जाती है। तुम्हारे पास जड़ वस्तुएं इकट्ठी हो जाती हैं, और तुम्हारा जीवन—स्रोत सूखता चला जाता है।

इसलिए अमीर से ज्यादा गरीब आदमी तुम न पाओगे। उसकी गरीबी भीतरी है। उसके भीतर सब सूख गया। उसके भीतर कोई रस नहीं बहता अब। उसका जीवन बिलकुल मरुस्थल जैसा है। वहां कोई हरियाली नहीं है। कोई पक्षी गीत नहीं गाते। कोई मोर नहीं नाचते। कोई बांसुरी नहीं बजती। कोई रास नहीं होता। सूख गयी इस जीवन चेतना में ही संतति के फल लगने कठिन हो जाते हैं।

ओशो

सुख चाहते हो ?

यदि स्वयं सुख चाहते हो तो दूसरों को दुख मत दो। क्योंकि दूसरों को दुख दोंगे तो कई गुना लौट कर आएगा। आज नहीं तो कल। यह प्रकृति का नियम है।

महाकारुणिक बुद्ध कहते हैं, 'इस जगत में सभी प्राणी सुख से जीना चाहते हैं। सभी दुखों से मुक्ति चाहते हैं। सभी को अपनी जान प्यारी है इसलिए दूसरों को मन, वाणी व शरीर से दुख मत दो। दिलों को चोट मत पहुंचाओ और न ही दुख देने के लिए किसी को प्रेरित करो। यही सबसे बड़ा धम्म है. यही सच्ची मानवता है।

तथागत बुद्ध इस बात पर जोर देते हैं कि यदि तुम स्वयं सुख शांति चाहते हो, स्वयं का भला चाहते हो तो दूसरों का बुरा मत करो, दूसरों को दुख मत दो, दूसरों को मत सताओ। इसका फल इसी जीवन में आज नहीं तो कल, जरूर मिलता है। यह सनातन नियम है, सदियों से चला आ रहा प्रकृति का नियम है। एस धम्मो सनंतनो।

मनुष्य, पशु पक्षी तो क्या वृक्ष भी सुख की कामना करता है। वह भी चोट, भूख व प्यास के मारे तड़पता है, कुम्हलाता है इसलिए उसे भी पीड़ा मत पहुंचाओ, वह भी सुख की वर्षा होने पर लहलहाता है. फूलों की खुशबू से प्रकृति को सरोबार करता है। सतरंगी रंगों से उल्लास व आनंद बिखेरता है।

इसलिए किसी भी प्राणी या वनस्पति को चोट मत पहुंचाओ, दुख मत दो. और यदि किसी को दुख दोगे तो दुख तुम्ही पर वापस आएगा, वह भी बढ़कर और तुम सुख की नींद नहीं सो पाओंगे।

भगवान बुद्ध कहते है, सुख से रहना प्रकृति के सभी जीवों का स्वभाव है दुख तो मनुष्य पहुंचाता है इसलिए दूसरों को अपनी तरह समझो। जो तुम खुद के लिए नहीं चाहते हो, वह दूसरों के लिए मत करो।यही प्रेम है।

तुम दूसरों को सुख देने की बात छोड़ो। बस, इतनी मेहरबानी कर लो कि दूसरों को दुख मत दो। दूसरों की राह में कांटे मत बिछाओ क्योंकि फूल तो अपने आप खिल जाएंगे, खिलना तो उनका स्वभाव है।

सुख भी मनुष्य का स्वभाव है इसलिए तुम किसी के सुख की राह में रोड़ा मत बनो। उसको आर्थिक, सामाजिक, वैचारिक व शारीरिक दुख मत दो। किसी को भोजन भले ही मत खिलाओ लेकिन उसके मुंह से निवाला तो मत छीनो, शोषण की पीड़ा की गहरी चोट मत पहुंचाओ।

किसी के आंसू नहीं पोंछ सकते हो तो कोई बात नहीं, रुलाओ तो मत। यदि तुमने किसी को दुख नहीं दिया तो उसके जीवन में आनंद की रसधारा जरूर बहेगी।

पद, पैसा व प्रतिष्ठा पाने के स्वार्थ व स्वयं के सुख के लिए दूसरों की छाती पर चढ़ कर आगे मत बढ़ो, दूसरों का सुख मत छिनो। अपने अहंकार में किसी को चोट मत पहुंचाओ, शोषण मत करो, बुरा मत करो, दुख मत दो, किसी प्राणी को मत सताओ क्योंकि तुम्हारी तरह सभी सुख शांति से जीना चाहते हैं।

सब्बे तसन्नति दण्डस्स सब्बेस जीवितं पियं।
अत्तानं उपमं कत्वा न हनेय्य न घातये।।....धम्मपद
सबका मंगल हो... सभी प्राणी सुखी हो... सभी निरोगी हो.

प्रस्तुति : डॉ. एम एल परिहार, जयपुर

देश के लिए जीना सीखो

21 जून को उनकी पुण्यतिथि पर राष्ट्र का नमन

डाक्टर हेडगेवार ने कहा था, 'साम्राज्यवादी ताकतों से लड़ने और उन्हें उखाड़ फेंकने के लिए जन भावना, समर्थन और अपील महत्त्वपूर्ण है।' जन भावना की ताकत को समझने वाले डॉ. हेडगेवार के नेतृत्व में हजारों लोगों ने 21 जुलाई 1930 को नागरिक अवज्ञा आंदोलन के हिस्से के रूप में महाराष्ट्र के यवतमाल जिले स्थित पुसद में 'जंगल सत्याग्रह' किया था। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय अब उसी स्थान पर एक संग्रहालय का निर्माण करने जा रहा है जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में अमृत महोत्सव समिति ने स्वीकार किया है। यह संग्रहालय इस सत्याग्रह में हेडगेवार की भागीदारी को प्रदर्शित करेगा।

१. डॉक्टरजी देश की आजादी के लिए कुछ-न-कुछ कर गुजरने के लिए अनेक मार्गों से प्रयासरत हुए। कभी तिलकजी तो कभी क्रांतिकारियों, कभी सुभाष तो कभी अरविंद के पास डॉक्टर साहब सत्य की खोज में कुछ परिणामजन्य कर दिखाने के उद्देश्य से दौड़ते रहते...

२. डॉक्टरजी के जीवन का प्रारंभिक काल केवल देश को आजाद करवाने के लिए मर-मिटने की उत्कट भावना से भरा हुआ था। देश को गुलाम बनाने वाले अंग्रेज के साथ संघर्ष करना मानो उनकी प्रवृत्ति बन गई थी...

३. राष्ट्र की परमोन्नति ही मानो उनके जीवन का ध्येय बन गई। समाज का साक्षात्कार करने की प्रक्रिया में समाज का हर व्यक्ति उनके मन में परमात्मा बन गया। स्वामी विवेकानंद की तरह ही एकमात्र भारत माता ही उनकी आराध्या देवी बन गई थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखित पुस्तक-'ज्योतिपुंज' के अंश

गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला में हुआ साप्ताहिक कीर्तन का आयोजन

असंख्या श्रद्धालुओं के अलावा 52 राजे-रानियां गुरु रविदास जी के चरणों से जुड़े : रीटा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । रविवार को श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला में साप्ताहिक कीर्तन दरबार सजाए गए। जिसमे श्री गुरु रविदास वाणी प्रचारक रीटा सोलखे ने गुरु रविदास जी की वाणीयों से संगत को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी जहां सामाजिक तौर पर चेतन थे वहीं वह प्रगतिशील विचारों को पहल देते थे। इसी कारण उनकी सोच को समझते हुए असंख्या श्रद्धालुओं के अलावा 52 राजे-रानियां गुरु रविदास जी के चरणों से जुड़े। जिन्होंने गुरु रविदास महाराज जी के बेगमपुरा फलसफे का प्रचार-प्रसार किया, मानवता को पहल दी, जात-जमात, मजहब को नकारा। उन्होंने कहा कि हम सभी को श्री गुरु रविदास महाराज जी की विचारधारा से जुड़ने तथा गुरु रविदास मिशन की किरणें जागृत करके मानवता को बचाने का प्रण लेने की अपील की। जोगिन्द्रों देवी व अन्य संगतों ने भी गुरु रविदास जी महाराज की वाणी का गुणगान किया। इस अवसर पर मास्टर नफे सिंह,धर्मसिंह क्रांति, डॉ रामसरन, वीरेंद्र रॉय, अशोक कुमार, बलबीर सिंह, रमेश कुमार, मान सिंह, जोगिन्द्रों देवी, रानी देवी, बाला देवी, सलिन्द्रों सहित भारी संख्या में संगत मौजूद रही।

मीडिया इलेवन व पुलिस इलेवन में हुआ मैत्री मैच
पुलिस इलेवन ने नौ विकेट से जीता मैच

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । जिला पुलिस प्रशासन द्वारा नशा विरोधी पखवाड़े के तहत मीडिया इलेवन व पुलिस लाईन के बीच एक मैत्री क्रिकेट मैच का पुलिस लाईन ग्राउंड यमुनानगर में आयोजन किया गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मीडिया इलेवन की टीम ने निर्धारित 16 ओवर में 99 रन बनाए। जिनमे मीडिया इलेवन की तरफ से बल्लेबाज सुखबीर चोपड़ा ने सर्वाधिक 45 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुलिस इलेवन ने बड़ी ही आसानी से नौ विकेट से जीत हासिल कर ली। पुलिस इलेवन से दीपक ने अर्धशतक बनाकर टीम को जीत दिलाई। उनके साथ ही वन डाउन पर बल्लेबाजी करने उतरे पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा उपाधिक्षक आशीष चौधरी ने भी अच्छे शाट खेलकर स्कोर बोर्ड को आगे बढाते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। मैच विनिंग रन पुलिस अधीक्षक द्वारा बनाया गया। विजेता टीम द्वारा अपने कप्तान पुलिस अधीक्षक को कंधे पर उठाकर जीत का जश्न मनाया गया। मैच के दौरान इंस्पेक्टर राकेश राना की फिरकी को कोई भी बल्लेबाज समझ नहीं पाया और एक के बाद एक उन्होंने तीन विकेट लिए। उनको मैच का बेस्ट बोलर ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। दिपक को मैन आफ द मैच ओर बेस्ट बल्लेबाज ट्राफी दी गई। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने मौजूद सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम नशे के खिलाफ अभियान के तहत किया गया है। हमें नशे जैसी बिमारी को जड़ से खत्म करने का संकल्प लेना है। इसके लिए समाज के सभी गणमान्य व्यक्तियों को आगे आना होगा। पुलिस इलेवन की टीम इस प्रकार रही। मोहित हांडा पुलिस अधीक्षक कप्तान, डीएसपी आशीष चौधरी उप कप्तान, रजत गुलिया, इंस्पेक्टर राकेश राणा, दीपक, निर्मल, चमकौर सिंह, मुकेश सिंह, राज कुमार, प्रवीण, रोहन कुमार, पंकज कुमार, परमिंदर सिंह, मनीष, अशोक, सुभाष, सुनील, कुलविंदर व गुरमेल सिंह। इसी प्रकार मीडिया इलेवन से विरेन्द्र त्यागी कप्तान, कोशिक खान उपकप्तान, दिनेश, सुनील, मनीष बख्शी, प्रभाकर शर्मा, सुखबीर चोपड़ा, अभिषेक, राम रतन, गुरदीप, दिलीप वर्मा, पोपिन पंवार, अरविंद शर्मा,तीलक भारद्वाज, सतपाल शर्मा,सतीश, अवतार सिंह,संदीप, राहुल सहजवानी, सुमित ओबराय, राजकुमार सैनी, राहुल कोहली, रजनीश सैनी टीम का हिस्सा बनें। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद सभी ने समाज से नशे को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया।

समर्पण पोर्टल पर पंजीकृत स्वयंसेवक मुख्यमंत्री परिवार उत्थान योजना के लाभार्थियों को समझाएंगे सरकारी योजनाएं

स्वयंसेवक के तौर पर करेंगे सरकार योजनाओं को लागू करने में सहायता : आयुष सिन्हा

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किए गए समर्पण पोर्टल पर जिला के समर्पित सेवक पंजीकरण कराने लगे हैं। समर्पण पोर्टल पर पंजीकृत स्वयंसेवक मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना में अपना सहयोग देंगे। इसी संबंध में सोमवार को अतिरिक्त उपायुक्त आयुष सिन्हा ने ऐसे ही समर्पित सेवक तथा मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना से जुड़े विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की।

हरियाणा का कोई भी केंद्र या राज्य सरकार से सेवानिवृत्त कर्मचारी या अधिकारी जो विभिन्न योजनाओं को लागू करने में जिला प्रशासन का सहयोग करना चाहता है वह इस पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकता है। बैठक में स्वयं सेवियों को हरियाणा सरकार द्वारा शुरू किये गये स्वेच्छिक समर्पण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इस कार्यशाला में एडीसी ने कहा कि स्वयं सेवी समर्पण कार्यक्रम के साथ जुड़कर सरकार की योजनाओं का लाभ ज़रूरतमंदों नागरिकों पहुँचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक सरकार की योजनाओं को सुनियोजित तरीके से जनता के बीच लेकर जाएं तथा उन्हें अच्छी तरह से समझाएं। इसी योजना के जिला कोर्डिनेटर प्रो. पीएल त्यागी व सह कोर्डिनेटर डॉ. दलबीर उपस्थित रहे। इस मौके पर 13 ब्लॉक कोऑर्डिनेटर तथा 13 ही सह कोर्डिनेटर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा की कि पोर्टल के माध्यम से जिले के नागरिकों का पंजीकरण किया जा रहा है। पोर्टल पर वालिंटियर अपनी विस्तृत जानकारी तथा इच्छा व उपलब्ध समयानुसार सेवा के कार्यक्षेत्र दर्ज कर सकते हैं। वालिंटियरों द्वारा उपलब्ध करवाई गई जानकारी के आधार पर उनकी रूचि के अनुसार उनकी सेवाएं ली जाएंगी।

गीता स्थली ज्योतिसर में भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप के लोकार्पण की तैयारियां पूरी : मुकुल

* आरएसएस के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत व मुख्यमंत्री मनोहर लाल 30 जून को सुबह करीब 11 बजे करेंगे विराट स्वरूप का लोकार्पण
* सरकार की तरफ से प्रोजेक्ट पर खर्च हुआ लगभग 10 करोड़ का बजट
* उपायुक्त मुकुल कुमार ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, उपायुक्त मुकुल कुमार ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध गीता स्थली ज्योतिसर में भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप को स्थापित कर दिया गया है। इस विराट स्वरूप के लोकार्पण की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस विराट स्वरूप का लोकार्पण 30 जून को सुबह 11 बजे आरएसएस के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत और मुख्यमंत्री मनोहर लाल करेंगे। इस कार्यक्रम के बाद गीता ज्ञानम संस्थानम केन्द्र में सुबह करीब 11 बजकर 30 मिनट पर भगवद गीता की वर्तमान प्रासंगिकता विषय पर आयोजित सेमिनार कार्यक्रम में भी भाग लेंगे।

उपायुक्त मुकुल कुमार मंगलवार को गांव ज्योतिसर में तीर्थ स्थली पर चल रही अंतिम तैयारियों का जायजा लेने के उपरांत अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। इससे पहले उपायुक्त मुकुल कुमार, केडीबी सीईओ चंद्रकांत कटारिया, केडीबी सदस्य उपेन्द्र सिंघल सहित पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप के अनावरण को लेकर चल रही तैयारियों का जायजा लिया। यहां पर उपायुक्त ने पर्यटन विभाग के साथ-साथ केडीबी के अधिकारियों को तैयारियों को लेकर कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। सभी को आदेश दिए कि समय रहते विराट स्वरूप की अनावरण की सभी तैयारियां पूरी कर लें इस मामले में जरा सी भी लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि ज्योतिसर में सबसे पहले वट वृक्ष की पूजा की जाएगी और इस वृक्ष की परिक्रमा करने के उपरांत तीर्थ का अवलोकन और बाद में करीब 10 करोड रुपए की लागत से निर्मित भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप का अनावरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। केडीबी मानद सचिव मदन मोहन छाबड़ा ने कहा कि ज्योतिसर विराट स्वरूप अनावरण कार्यक्रम के उपरांत आरएसएस के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत और मुख्यमंत्री मनोहर लाल गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के सानिध्य में 30 जून को ही सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर गीता ज्ञानम संस्थानम केन्द्र में भगवत गीता की प्रासंगिकता कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

हिन्दुस्तान-पाकिस्तान विभाजन के 10 लाख लोगों की शहादत को याद दिलाएंगे कुरुक्षेत्र में बनने वाला स्मारक : सुधा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, पंचनद स्मारक ट्रस्ट के प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र के ऐतिहासिक पन्नों में हिन्दुस्तान-पाकिस्तान विभाजन के समय करीब 10 लाख लोगों की शहादत की याद में बनने वाला स्मारक भी स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। इन ऐतिहासिक पन्नों में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अगुवाई में स्मारक निर्माण का कार्य पंचनद स्मारक ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है। अहम पहलू यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली लाल किले से 14 अगस्त के दिन को विभाजन विभीषिका दिन के रुप में मनाने की घोषणा की थी। इस घोषणा के अनुसार ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से 14 अगस्त 2022 को पंचनद स्मारक ट्रस्ट की तरफ से विभाजन विभीषिका दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्वयं अपनी पुश्तैनी जमीन बेचकर 1 एकड़ जमीन कुरुक्षेत्र मसाना में पंचनद स्मारक ट्रस्ट को भेंट की है।

विधायक सुभाष सुधा मंगलवार को सर्किट हाउस में 14 अगस्त को पंचनद स्मारक ट्रस्ट की तरफ से मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अगुवाई में मनाए जाने वाले विभाजन विभीषिका दिवस को लेकर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान और पाकिस्तान के विभाजन के समय में अनुमान लगाया कि पंजाबी समुदाय के साथ-साथ अन्य समाज के करीब 10 लाख लोग शहीद हुए थे। इन लोगों के बलिदान को पंजाबी समुदाय कभी भुला नहीं पाया है और ना ही इनकी स्मृति में देश में कहीं भी स्मारक नहीं बनाया गया। इस स्मारक के निर्माण कार्य को लेकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल और पंचनद स्मारक ट्रस्ट से स्वामी धर्मदेव जी महाराज के अगुवाई में रूपरेखा तैयार की गई और वर्ष 2015 में शहीदी स्मारक बनाने की योजना को अमलीजामा पहनाने का काम किया गया। इसी दिन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपनी पुश्तैनी जमीन बेचकर 1 एकड़ गांव मसाना में खरीद कर दी। अब गांव मसाना में शहीदी स्मारक बनाने के लिए करीब 25 एकड़ जमीन उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि पंचनद स्मारक ट्रस्ट की तरफ से 14 अगस्त 2022 को पिपली या कुरुक्षेत्र अनाज मंडी में विभाजन विभीषिका दिवस के रुप में मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया जाएगा और मुख्यमंत्री मनोहर लाल स्वयं प्रधानमंत्री को निमंत्रण देंगे। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के पहुंचने की पूरी संभावना है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री निश्चित रुप से किसी न किसी मोड में जरुर जुड़े रहेंगे। इस कार्यक्रम में देशभर से करीब डेढ लाख लोग पहुंचेंगे और देश के इस प्रकार के पहले कार्यक्रम की तमाम तैयारियां मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अगुवाई में ही की जाएंगी। इस कार्यक्रम को लेकर अभी हाल में ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मसाना में शहीदी स्मारक ट्रस्ट की जमीन का निरीक्षण किया और संत जनो से कार्यक्रम को लेकर विचार-विमर्श भी किया। इस आयोजन को सफल ऐतिहासिक और यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। यह कार्यक्रम करीब 10 लाख लोगों को श्रद्धांजलि देने वाला कार्यक्रम होगा।

यूट्यूब व फेसबुक पर
गजब हरियाणा न्यूज
चैनल को लाईक व सब्सक्राइब करें।
91382-03233
रोजाना की खबरों के लिए देखें वेबसाईट
www.gajabharyana.com

नशे की सप्लाई के साथ नशे की मांग कम करके ही नशा मुक्त हरियाणा होगा : एडीजीपी

9050891508 पर दें गुप्त सूचनाएं और युवा अपने भविष्य के निर्माण पर ध्यान दें : जाधव

72 गाँवों के पंच और सरपंचों की अंतरात्मा को झंझोड़ कर रख दिया श्रीकांत जाधव साहब ने

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

मुस्तफाबाद/यमुनानगर, हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो प्रमुख, अम्बाला मंडल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं प्रयास संस्था के संस्थापक एवं प्रांतीय अध्यक्ष भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री श्रीकांत जाधव साहब ने 72 गाँवों के पंच और सरपंचों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज भयंकर गर्मी में भी आप का एक साथ एकत्रित होना इस बात का प्रतीक है कि आप के हृदय में देश और समाज के लिए कुछ करने का जज्बा है। उन्होंने कहा कि आप समाचार पत्रों और टीवी चैनलों के माध्यम से यह जानकारी रखते हैं कि हमारे कश्मीर में प्रतिदिन वीर सैनिक शहीद हो रहे हैं और चीन की सीमा पर भी कुछ न कुछ घटित होता रहता है यह बात समझ आती है लेकिन एक और लड़ाई है जो कुछ पड़ौसी देश चाहते हैं कि हमारा देश हमारे देश के युवा कमजोर हों। अभी गुजरात बंदरगाह पर 3000 किलो हेरोइन पकड़ी गई जिसकी सप्लाई उत्तर भारत में की जानी थी और युवाओं को भीतर से कमजोर करने की योजना थी। अब आप समझ सकते हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में यह चिट्टा आना एक बहुत बड़ी समस्या थी। हमारी एक मानसिकता बन गई है कि यह समस्या पुलिस और देश की है, मुझे क्या। अभी कुछ दिन पूर्व एक युवा मोटर साइकिल पर सवार था और उसने चिट्टे का टीका लगाया और वह उसे निकाल भी नहीं पाया और मृत्यु को प्राप्त हो गया। हमारे देश की संस्कृति अपने बुजुर्गों का सम्मान करना है और जब कभी किसी युवा के माता पिता को केवल इस बात के लिए लज्जित होना पड़े कि उनका बच्चा नशा कर रहा है अथवा नशे का व्यापार कर रहा है तो उनका मस्तक लज्जा से झुक जाता है। उन्होंने सिरसा के रहने वाले नशे के कारण एक परिवार के तीन सगे भाइयों के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि 20 वर्ष, 22 वर्ष और 24 वर्ष के तीन भाई एक एक करके काल का ग्रास केवल और केवल नशे के कारण बने हैं। कब तक हम ऐसे ही बैठकर यह नशे का नंगा खेल देखते रहेंगे।नआज मैं आपसे केवल एक ही मांग करता हूँ कि आप अपना फ़ोन उठाकर ऐसे समाज के लोगों की सुचना 9050891508 पर दें जो समाज में नशा बाँट रहे हैं। ऐसा करने वाले व्यक्ति का नाम पूर्ण रूप से गोपनीय रखा जाता है। आप हमारे लिए आँख और कान का काम करें और आपको यह विश्वास दिलाते हैं कि आपकी सुचना पर कार्रवाई अवश्य होगी। इस नशे रुपी काले नाग का फन कुचलने के लिए एक जन आंदोलन खड़ा करने की आवश्यकता है। आप केवल 15 अगस्त और 26 जनवरी को ही हिन्दुस्तानी बनते हैं और भूल जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे एक कवि की पंक्तियाँ याद आती हैं – भारत कभी कभी मेरा देश है। आप वैसे तो अनेक आंदोलन करते हैं लेकिन भारत माता को नशे के चंगुल से बचाने के लिए ऐसा एक जन आंदोलन क्यों नहीं करते। आप को ऐसे कार्यों के लिए जन आंदोलन करना होगा कि अपने क्षेत्र में नशा नहीं बिकने दूंगा, महिलाओं के साथ छेड़छाड़ नहीं होने दूंगा, ऐसे कार्यों के लिए आपको हिंदुस्तानी बनना होगा। मैं इस मंच से युवाओं को कहना चाहता हूँ कि यही आयु है जिसमे आपका भविष्य निर्माण होना है। हिन्दुस्तानी के लिए कोई बाहर का व्यक्ति आकर कुछ नहीं करेगा। अतः तू निश्चय तो कर, कदम तो बढ़ा निकल आएगा कोई रास्ता। आज नशा पकड़ने से नशा समाप्त नहीं होगा अपितु नशे की मांग को समाप्त करना होगा। ये शब्द उन्होंने आज गुरु पैलेस में आयोजित 35वें एक दिवसीय नशा मुक्ति जागरूकता कार्यशाला के अंतर्गत कहे। उनके पधारने पर आरती एसोसिएशन के प्रधान अवतार सिंह, पूर्व सरपंच अक्षय अग्रवाल, लाल सिंह प्रधान सरपंच संघ पिंजौरा, बाबा जसदीप सिंह, महताब सिंह, हरिंद्र सिंह चहल, बलबीर सिंह मावि, परमजीत सिंह, निर्मल सिंह, इकबाल सिंह, जोनी राणा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और कहा कि हरियाणा में एनसीबी द्वारा स्टेट एक्शन प्लान का लोकार्पण गौरव का विषय है। सभी को मिलकर इस क्षेत्र में काम करने की आवश्यकता है। बाबा जसबीर सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि हम इस अभियान को सफल करने में पूर्ण योगदान देंगे। नशे पर आधारित एक हरियाणवी गाना स्क्रीन के माध्यम से लोगों को दिखाया गया। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने उपस्थित लोगों को नशा न करने का प्रण करवाया। कार्यक्रम के अंत में मुख्यातिथि पधारे एडीजीपी श्रीकांत जाधव साहब, पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा, बाबा जसबीर सिंह ने अमावस्या के पावन अवसर पर प्रयास के नाम त्रिवेणी रोपित की। इस अवसर पर पुलिस निरीक्षक जोगिंद्र सिंह, केवल सिंह, प्रयास कुरुक्षेत्र से कर्म चंद, वैभव सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

...जब मुख्यमंत्री ने गांव समानी में खेत में खड़े किसान से ली सूक्ष्म सिंचाई की फीडबैक

गांव समानी के किसान लखविंदर सिंह ने ऑनलाइन प्रणाली से की मुख्यमंत्री से बातचीत

सूक्ष्म सिंचाई की प्रगति को सुन कर गदगद हुए मुख्यमंत्री

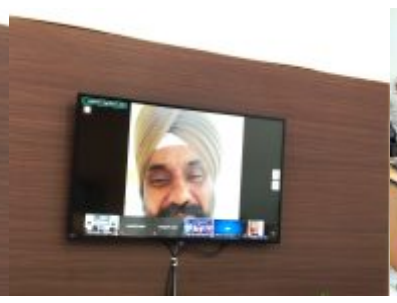

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जब मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गांव समानी में खेत में खड़े किसान लखविंदर सिंह से सूक्ष्म सिंचाई के बारे में ऑनलाइन वीडियो कॉल के माध्यम से करीब 2 मिनट बातचीत की। इस ऑनलाइन प्रणाली से जैसे ही किसान लखविंदर सिंह ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल की आवाज को सुना तो किसान की खुशी का ठिकाना ना रहा। इस किसान ने पलक झपकते ही अपने खेतों में सूक्ष्म सिंचाई से गन्ना, तिल और बागवानी की फसल के बारे में विस्तार से फीडबैक दे दी। इस फीडबैक को सुनकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी खुश नजर आए। यह खुशी इसलिए नजर आई कि माई काडा के माध्यम से सूक्ष्म सिंचाई की योजनाओं का लाभ सीधा किसान तक पहुंच रहा है और सीधी बातचीत के दौरान किसानों से अच्छी फीडबैक भी मिल रही है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल पंचकूला से आजादी के अमृत महोत्सव के कार्यक्रमों की श्रृंखला में 100 फुट से कम जल स्तर के गांवों में 7500 सूक्ष्म सिंचाई के प्रदर्शन प्लांट स्थापित करने को लेकर आयोजित कार्यक्रम के जरिए ऑनलाइन प्रणाली से करनाल, अंबाला, फतेहाबाद और कुरुक्षेत्र के किसानों से सीधे जुड़े और हर जिले से एक-एक किसान से बातचीत करके सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के बारे फीडबैक ली। हालांकि इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से लघु सचिवालय में उपायुक्त मुकुल कुमार, माईकाडा के कार्यकारी अभियंता धूप सिंह, एसडीओ सुमित भी जुड़े हुए थे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सभी जिलों के किसानों से बातचीत करने के उपरांत कुरुक्षेत्र के गांव समानी के किसान लखविंदर सिंह से ऑनलाइन प्रणाली वीसी के माध्यम से जब बातचीत की तब किसान लखविंदर सिंह अपने फार्म हाउस में खड़े हुए थे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सबसे पहले किसान लखविंदर सिंह के खेत-खलिहानों और परिवार के कुशलक्षेम पूछने के बाद सूक्ष्म सिंचाई से किसानों को हो रहे फायदों के बारे में जानकारी हासिल की है।

किसान लखविंदर सिंह ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को खुशी-खुशी फीडबैक देते हुए कहा कि गांव समानी में सूक्ष्म सिंचाई के जरिए गन्ने की फसल की खेती कर रहे है और 2 कनाल भूमि पर सूक्ष्म सिंचाई के माध्यम से तिल की खेती भी कर रहे है। इसके अलावा बागवानी विभाग के सहयोग से फलों के 50 से ज्यादा पौधे लगाए है और अब वे बागवानी की तरफ आगे बढ़ रहे है। इन फसलों में सूक्ष्म सिंचाई का प्रयोग करने से 50 से 60 फीसदी पानी की बचत कर रहे है और 10 से 15 फीसदी उत्पादन में भी इजाफा हुआ है। पानी की एक-एक बूंद बचाने का प्रयास कर रहे है। बरसात के पानी को खेतों तक ले जाने के भी पुख्ता प्रबंध किए है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई के लिए सरकार ने सब्सिडी और अन्य सुविधाएं दी है, वह काबिले तारीफ है। आज पानी की एक-एक बूंद को बचाकर भावी पीढ़ियों को पीने का पानी दे सकते है। इस फीडबैक को सुनकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल गद-गद हो गए।

टपका व फव्वारा सिंचाई विधि पर प्रदान किया जा रहा है 85 फीसदी तक का अनुदान : मुकुल

उपायुक्त मुकुल कुमार ने सूक्ष्म सिंचाई एवं नहरी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के प्रचार वाहन को दी हरी झंडी, प्रचार वाहन जिले के सभी गांवों में जाकर किसानों को सूक्ष्म सिंचाई विधि के बारे में करेगा जागरूक

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, उपायुक्त मुकुल कुमार ने कहा कि हरियाणा में प्रति बूंद अधिक फसल स्कीम के अंतर्गत किसानों को सहायता दी जा रही है। सरकार द्वारा सूक्ष्म सिंचाई के संयंत्रों टपका व फव्वारा विधि पर 85 फीसदी, ऑन फार्म वाटर टैंक के निर्माण पर 70 से 85 फीसदी अनुदान, सौर ऊर्जा वाटर पंप सेट लगाने पर 75 फीसदी अनुदान उपलब्ध करवाया जा रहा है।

उपायुक्त मुकुल कुमार मंगलवार को लघु सचिवालय परिसर से सूक्ष्म सिंचाई एवं नहरी क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार किए गए प्रचार वाहन को हरी झंडी देने के उपरांत बातचीत कर रहे थे। इससे पहले उपायुक्त मुकुल कुमार ने सूक्ष्म सिंचाई के प्रति जागरुकता लाने के तैयार किए गए प्रचार वाहन को हरी झंडी देकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि 100 फुट से ज्यादा गहरे भूमिगत जल वाले गांवों के लिए सूक्ष्म सिंचाई की 7500 प्रदर्शन परियोजना का उद्घाटन मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम का आयोजन सूक्ष्म सिंचाई एवं नहरी क्षेत्र विकास प्राधिकरण की तरफ से आजादी के अमृत महोत्सव के कार्यक्रमों की श्रृंखला में किया गया है। इस कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए विभाग की तरफ से प्रचार वाहन तैयार किए गए है।

उन्होंने कहा कि इस सूक्ष्म सिंचाई से 30 से 70 फीसदी तक पानी की बचत, मजदूरी व उर्वरकों की लागत में बचत, खरपतवारों, कीट व बीमारियों के प्रकोप में कमी, फसल उत्पादन में बढ़ोतरी, सल उत्पादन की गुणवत्ता में बढ़ोतरी, जमीन की उपजाऊ शक्ति में बढ़ोतरी, सुनिश्चित सिंचाई क्षेत्र में बढ़ोतरी व जल प्रयोग अक्षमता में वृद्धि होती है। इसके साथ-साथ इस विधि के माध्यम से कम समय में फसल की सिंचाई की जा सकती है और इससे समय और पैसे की बचत के साथ-साथ जल की बचत भी की जा सकती है।

बस चालकों की धींगा मस्ती के चलते पिपली चौक पर लगते हैं रोजाना घंटों जाम

पुलिस चालान काटने में रहती व्यस्त, पिपली चौक पर हालात हो रहे बदतर

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, पिपली चौक पर व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही, बल्कि दिन प्रतिदिन पिपली चौक पर व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। हालात ऐसे बन गए हैं कि बस चालक सुधरने का नाम नहीं ले रहे। नतीजन रोजाना पिपली चौक पर बसों का जमावड़ा लगता है। जिसके चलते यहां पर थोड़ी थोड़ी देर के बाद जाम की स्थिति बनती है। दूसरी ओर मजे वाली यह बात है कि पिपली चौक पर पुलिस चालान काटने में ज्यादा दिलचस्पी लेती है।

बता दें कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित पिपली चौक एक महत्वपूर्ण स्थान है। जहां से दिन भर विभिन्न राज्यों की परिवहन बसें और प्राइवेट वाहन गुजरते हैं। इतना ही नहीं राष्ट्रीय राजमार्ग से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में जाने वाले पर्यटक यात्री भी यहां से होकर जाते हैं। दूसरी ओर हिसार, हरिद्वार और यमुनानगर जाने वाली परिवहन बसे यहां से जाती हैं। ऐसे में दिन भर यहां पर वाहनों की भरमार रहती है। जिसके चलते कई बार यातायात बाधित होता है और जाम की स्थिति बन जाती है। हालांकि स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन की ओर से पुलिस कर्मचारियों को तैनात किया गया है, लेकिन पुलिस कर्मचारी यातायात सुचारू करने की बजाय चालान करने में ज्यादा मस्त रहते हैं।

बस चालक निर्धारित स्थानों पर बसें नहीं रोकते। इसके चलते यातायात व्यवस्था चरमर्रा रही है। और वहीं बस चालकों की धींगा मस्ती के चलते यातायात बाधित हो रहा है। डयूटी पर तैनात पुलिस कर्मी यातायात को सुचारू चलाने की बजाय चालान काटने में ज्यादा व्यस्त रहते हैं। कई बार यहां पर दुर्घटनाएं हो चुकी हैं जिसमें कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं। लेकिन हालात सुधरने की बजाय बदतर होते जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि तत्कालीन पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग ने पिपली चौक पर ऐसे पुख्ता प्रबंध किए थे कि बस चालक निर्धारित स्थानों पर बस रोककर यात्रियों को उतारते व बिठाते थे, लेकिन उनका तबादला होने के बाद स्थिति बदहाल हो गई है।

17 बसों के किए गए चालान : प्रभारी रामकरण

यातायात पुलिस प्रभारी रामकरण से जब उनका पक्ष जाना गया तो उन्होंने बताया कि पुलिस यातायात नियमों की पालना कराने के लिए प्रतिबद्ध है। पिपली चौक पर रोजाना जांच में बस चालकों और अन्य प्राइवेट वाहनों के चालान किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को पिपली चौक पर 17 बसों के चालान किए गए थे और तीन तिपहिया वाहनों को इंपाउड किया गया था। यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए पिपली चौक पर पुलिस कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

'गजब हरियाणा' समाचार पत्र में विज्ञापन, लेख व समाचार देने के लिए सम्पर्क करें।
91382-03233

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की **'गजब हरियाणा'** समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। **'गजब हरियाणा'** समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र ने जिला पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ की अपराध गोष्ठी

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र डॉ0 अंशु सिंगला ने पुलिस लाईन कुरुक्षेत्र में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अपराध गोष्ठी की। उन्होंने जिले के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सख्त आदेश दिए कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीघ्र अति शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करते हुए अभियोगों का शीघ्र निपटारा किया जाए। महिला विरुद्ध होने वाले अपराध की रोकथाम के लिए स्कूल व कॉलेजों के आसपास ज्यादा से ज्यादा टीम की गश्त की जाए। स्कूल एवं कॉलेजों में छात्राओं तथा ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को दुर्गा शक्ति एप्प, डायल-112, महिलाओं के अधिकारों व साईबर अपराधों के बारे जागृत किया जाए। यह जानकारी पुलिस प्रवक्ता नरेश कुमार सागवाल ने दी।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपराध गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदया डॉ0 अंशु सिंगला ने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को आदेश देते हुए कहा कि जब भी कोई परिवादी थाना/चौंकी में अपनी परिवाद लेकर आता है तो उसके साथ नम्रतापूर्वक व्यवहार किया जाए। थाना/चौंकी में लंबित परिवादों को समय पर निपटाया जाए। प्रबंधक थाना/चौकी इंचार्ज अपने-अपने क्षेत्र में चोरी की वारदातों को रोकने के लिए सांयकालीन गश्त व रात्रि गश्त प्रभावी ढंग से करें। अपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों की ज्यादा से ज्यादा हिस्ट्रीशीट खोले ताकि आते-जाते पुलिस ऐसे लोगों पर नजर रख सके तथा समाज में पता चले की अपराध करने वालों पर किस प्रकार से नजर रखी जाती है। दो गुटों के मध्य पुरानी किसी रंजिश के कारण चल रहे विवादों को शांति समिति की सहायता से निपटाया जाए। अपराधिक प्रवृति के लोगों को हर हाल में सलाखों के पीछे डालने का काम करें। पुलिस का मकशद आपराधियों को सजा दिलाना है। थाना में आने वाला व्यक्ति यह उम्मीद लेकर आता है की उसको न्याय मिलेगा उसकी पूरी समस्या को सुने और उसे न्याय देने का प्रयास किया जाए। इससे लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा होगा। झुठी शिकायत देने वालों के खिलाफ 182 आईपीसी के तहत कार्यवाही करें।

पुलिस अधीक्षक महोदया ने अपराध बैठक में जिले के सभी पर्यवेक्षक अधिकारी और थाना प्रभारियों के साथ चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र में चोरी, वाहन चोरी, आर्म्स एक्ट अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट, एक्साइज एक्ट, जुआ/सट्टा व धोखाधड़ी जैसी घटनाओं के अपराधियों को पकड़ कर कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस अधीक्षक महोदया ने विशेष तौर से विदेश भेजने के नाम पर धोखाधडी करने वालों पर नकेल कसी जाए। उन्होंने अपने सभी प्रबन्धक थाना को विशेष हिदायत दी कि विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वालों को किसी भी सूरत में ना बख्शा जाए। यह ठग लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनके खून पसीने की कमाई को हडप जाते है तथा कई बार तो नवयुवकों की जान का भी खतरा बन जाता है। पीओ, बेल जंपर, मोस्टवाटेड अपराधियों की सम्पति जब्त करवाने पर भी जोर दिया जाए। नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाकर नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा जाए। नशीली वस्तुओं के धंधे में संलिप्त लोगों की सम्पति को ज्यादा से ज्यादा जब्त किया जाए तथा पैरोल जंपर को गिरफ्तार किया जाए। सीएम विंडो,हर समय पोर्टल पर शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द निपटान किया जाए। अपने थाना क्षेत्र में होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाया जाए। धर्मनगरी में अवैध शराब की बिक्री बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी। डायल-112 सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है इसलिए इस प्रोजेक्ट को और बेहतर बनाया जाए। यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले विशेषकर बिना नम्बर प्लेट के वाहनों के ज्यादा से ज्यादा चालान करने हैं।

हरियाणा बोर्ड की परीक्षाओं में पहले, दूसरे व तीसरे स्थान प्राप्त करने वाले छात्राओं को सम्मानित करेगी सभा : सूरज भान नरवाल

श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा की कार्यकारिणी ने बैठक कर लिया फैसला

जल्द कार्यक्रम आयोजित कर मेरिट में आने वाले छात्रों को सभा प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर करेगी सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा हरियाणा बोर्ड की परीक्षा में मैरिट पाने वाले अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को सम्मानित करेगी। सभा 10वीं,12वीं की परीक्षाओं में पहले, दूसरे व तीसरे स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर उन्हें उत्साहित करेगी ताकि विद्यार्थियों की रुचि पढ़ाई की ओर बढे। इसके अलावा सभा ऐसे युवाओं को सम्मानित भी करेगी जिन्होंने अपनी काबिलियत के दम पर प्रदेश सरकार व केंद्र सरकार की नौकरियों में नौकरी प्राप्त की है।

श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के प्रधान सूरजभान नरवाल ने बताया कि सभा की बैठक में निर्णय लिया गया कि इस बार मंदिर की कमेटी ऐसे छात्रों को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित करने का काम करेगी। जिन छात्रों ने हरियाणा सरकार की बोर्ड परीक्षाओं में पहले ,दूसरे व तीसरे स्थान प्राप्त किए हैं। सभा का प्रयास है कि इन छात्रों को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित किया जाए ताकि इससे उत्साहित होकर छात्रो का पढाई की ओर रुझान बढ़े। उन्होंने बताया कि सभा का इसके पीछे उद्देश्य यह भी है कि ऐसे छात्रों को आगे लाया जाए जो पढ़ाई के क्षेत्र में ज्यादा रुचि रखते हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा उन छात्रों को भी सम्मानित किया जाएगा जिन छात्रों ने अपनी पढ़ाई के माध्यम से राज्य सरकार व केंद्र सरकार की सेवाओं में अपने बलबूते पर चयनित हुए हैं। मंदिर कमेटी ने यह भी फैसला लिया गया है कि ऐसे ऐसे छात्रों को चिह्नित करने के लिए कार्यकारिणी सदस्य नरेश रंगा की अगवाई में 2 सदस्य कमेटी बनाई गई है जो दसवीं व 12वीं की परीक्षा में पहले दूसरे व तीसरे स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का डाटा एकत्रित करेगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही एक कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों को मुख्य अतिथि की ओर से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की तिथि और मुख्य अतिथि के बारे में शीघ्र ही फैसला लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी की बैठक में मंदिर के कार्यों में और तेजी लाने के लिए कई फैसले लिए गए। इस मौके पर मंदिर कमेटी के सचिव ओम प्रकाश तंवर, कोषाध्यक्ष रामस्वरूप ढांडा, संयुक्त सचिव सुखबीर सिंह ,कार्यकारिणी सदस्य नरेश रंगा तरसेम लोहारा व जोगिन्द्रों देवी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में पहला, दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को भी सम्मानित करेगी सभा

प्रधान सूरजभान नरवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय मे होने वाली परीक्षाओं में पहले दूसरे व तीसरे स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को भी सभा सम्मानित करेगी। विश्वविद्यालय के परीक्षाओं के परिणाम आने पर परीक्षाओं में पहले दूसरे व तीसरे स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को चिन्हित कार कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें मुख्य अतिथि के हाथों सम्मानित करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सभा सम्मानित करने का काम करेगी।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN/2018/77311